

***Rajarshi Shahu Mahavidyalaya , (Autonomous) Latur***

***Composition of Board of Studies***

***Term : Three years (For the Year 2018-19 to 2020-2021)***

***Faculty : Arts***

***Name of Subject : Hindi***

| <b>Name of HoD &amp; other faculty member</b> | <b>Two Subject experts from outside the Parent University nominated by Academic Council</b> | <b>One expert by V.C. from panel of 06 recommended by the college principal</b> | <b>One from industry/ corporate/ allied area relating to Placement</b> | <b>One PG meritorious alumnus by principal</b> | <b>Expert from outside for special courses (Co-option)</b> | <b>Other members of the staff of the same faculty.</b> |
|---|---|---|--|--|--|--|
| <b>1. Dr. Pallavi B. Patil</b>                | <b>Dr. Jogendrasingh Bisen</b>  | <b>Dr. R.M. Jadhav</b>  | <b>Shri. Ganesh Mathpati</b>   | <b>Prof. Balaji P.Suryawanshi</b>              |  | <b>Dr. Sambhaji Patil</b>                              |
| <b>2. Prof. S.R. Chavan</b>                   | <b>Dr. Sadanand K. Bhosale</b>  |   |  |  |  |  |
| <b>3. Prof. A.D. Landge</b>                   |   |   |  |  |  |  |

1)12.07.2020




Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**  
**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

दिनांक - 12-07-2020

राजर्षि शाहू महाविद्यालय के बी.ए (प्रथम) पाँचवें तथा बी.ए. बी.कॉम, बी.एस्सी (प्रथम) द्वितीय भाषा हिंदी के पुरनपत्रों / पाठ्यक्रम नियोजन सम्मेलन की बैठक हिंदी विभाग द्वारा ऑनलाईन संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में उन सभी सदस्यों का हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पल्लवी पारील ने शब्दसुमनों से स्वागत किया है।


उपस्थित सदस्य

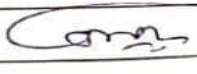
1) डॉ. पल्लवी भूदेव पारील - 

2) डॉ. जीगेंद्रसिंह बिसेन -

3) डॉ. सदानंद भोसले -

4) प्रा. बालाजी सूर्यवंशी -

5) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण - 

6) प्रा. अमोल लांडगे - 



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

बी.ए., बी.कॉम, बी.एस्सी (प्रथम) ~~द्वितीय~~ द्वितीय भाषा  
रत्न पहला - प्रश्नपत्र - I

इकाई - 1  
क) भाषा की प्रकृति  
ख) द्वितीय भाषा संकल्पना और महत्व  
ग) भारत के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

इकाई - 2  
क) भाषाई कौशल अर्थ और महत्व  
ख) प्रवण कौशल अर्थ और महत्व

इकाई - 3 कथानियाँ  
क) छुट्टी काकी - प्रेमचंद  
ख) दाई आखर प्रेम का - मालती जोशी

इकाई 4 प्रवण कौशल की विकसित करने की प्रक्रिया  
शब्दानुसंधान का प्रवण  
वर्णियों का प्रवण  
व्याकरणिक रूपों का प्रवण  
संदर्भ में आद्यच्छेद

इकाई 5 कविताएँ  
i) संध्या सुंदरी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला  
ii) वृक्षा - डॉ. सदानंद भोसले  
iii) कुबेर के दाँते - गुरुदेव





Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

ख. नाटक के लक्ष

इकाई - 2 नाटक - एक और द्रौणार्थ - शंकर शेष

इकाई - 3 एकांकी की परिभाषा, उद्भव अवधारणा

इकाई - 4 एकांकियाँ  
i) रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माथुर  
ii) गदर खत्म हो गया - लक्ष्मी नारायण लाल  
iii) हम रौशनी बाँटते हैं - गिरिराज किशोर  
iv) कुमाई किसकी - डॉ. सुशिला कुपूर

सात-दूसरा (बी.ए.) ऐच्छिक पाठ्यक्रम  
प्रश्नपत्र - IV

इकाई - 1 आत्मकथा का सामान्य परिचय

इकाई - 2 आत्मकथा - एक अन्नी यह भारी - मन्नु भंडारी

इकाई - 3 जीवनी / संस्मरण का सामान्य परिचय

इकाई - 4 जीवनियाँ  
i) उलम का सिपाही - आमनपय  
ii) यादगार जीनी - बीबा सोबती  
iii) मेरज को बुलाया जाए - पंडित चक्रवर्ती



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

सत्र (दूसरा) बी.ए. (प्रथम) ऐच्छिक पाठ्यक्रम  
प्रश्नपत्र - III

इकाई - १ निबंध, उद्भव, विकास एवं लक्ष्य

इकाई - २ निबंध

- i) राजनीति का बहवायु - हरिशंकर परसाई
- ii) लज्जा और ग्लानी - डा. रामचंद्र शुक्ल
- iii) मैं और मेरा देश - कुन्हेय्यालाल मिश्र
- iv) माँ का आँचल और निम की छाँव -  
- डॉ. श्रीराम परिहार

इकाई - ३ कथित गद्य का सामान्य परिचय संस्मरण,  
व्यंग्य, रिपोर्ताज

- i) निरालाभाई - महादेवी वर्मा
- ii) कुबुर् में जूनिंगट - हीरालाल बच्चोनीयों
- iii) जब तक किमलौं है - हरिशंकर परसाई
- iv) कुबेर की धारि धरती पर मौत की फुसल  
- प्रोफे. शर्मा

बी.ए. (प्रथम) ऐच्छिक पाठ्यक्रम सत्र - दूसरा  
प्रश्नपत्र - II.

इकाई - १ कथा की परिभाषा, उद्भव, लक्ष्य





Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

- कार्यसूची
- बी. ए. (ऐच्छिक) प्रथम के दोनों प्रश्नपत्र निश्चित किए गए एवं इनके नाम भी निर्धारित किए।
  - बी. ए., बी. कॉम, बी. एस्सी (द्वितीय भाग) प्रथम के प्रश्नपत्र निश्चित किया एवं उसका नाम निर्धारित किए।
  - पाठ्यक्रम निर्धारित पाठ्यक्रम पर अंतिम निर्णय लेकर मीटिंग में लिए गए डॉट फ्लॉट, पल्लवी पार्टील ने सभी सदस्यों के द्वारा ऐच्छिक को पढ़कर सुनाये।

बी. ए. (प्रथम) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (सोता पहला)

प्रश्नपत्र - I

ईकाई - १ : कहानी का उद्भव, विकास एवं तत्व

ईकाई - २ : कहानियाँ -

i) फैसला - मैथिली पुष्पा

ii) सभ्यता का रहस्य - प्रेमचंद

iii) नशा - मन्नु भंडारी

iv) जल पान की बेगम - कृष्णनाथ रेणु

ईकाई - ३ : उपन्यास का उद्भव, विकास एवं तत्व

ईकाई - 4 : उपन्यास - लेखक - भीष्म सहानी



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

इकाई - 6 कार्यालयीन शब्द 25 शब्द  
कार्यालयीन वाक्य 25

बी.ए., बी.कॉम, बी.एससी (प्रथम) द्वितीय भाषा पाठ्यक्रम  
प्रश्नपत्र - II सत्र - दूसरा

इकाई - 1 वाचन कौशल अर्थ, महत्व एवं प्रकार

इकाई - 2 वाचन कौशल को विकसित करने के प्रक्रिया

इकाई - 3 गज़ल  
क) सायें में छुप - दुष्यन्त कुमार  
ख) गुलज़ार की गज़ल

इकाई - 4 निबंध  
क) हम झपूटन झपूट हमारे साथ - शरद जोशी  
ख) अधानो धुमाकड़ जिज्ञासा - राहुल संकृत्याकन

इकाई - 5 साहित्य का वाचन  
गद्यवाचन - नाटक, कहानी  
पद्य वाचन - गज़ल, शेर शायरी

इकाई - 6 क) अनुवाद अर्थ, परिभाषा  
ख) अनुवाद के गुण

11:23 AM



Suryakant Chavan



Pallavi Patil



Dr. Jogendrasingh Bisen PVCSTMTUNA...



SADANAND BHOSALE





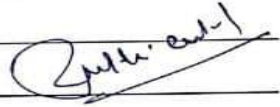
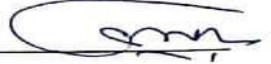
2) 21.03.2021

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

21.03.2021

राजर्षि शाहू महाविद्यालय के बी. ए. (द्वितीय) एन्चक्र  
तथा बी. ए., बी. कॉम, बी. एस्सी (द्वितीय) भाषा हिंदी  
के प्रश्नपत्रों / पाठ्यक्रम नियोजन समिति की बैठक  
हिंदी विभाग द्वारा ऑनलाइन संपन्न हुई। इस  
बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का डा. पल्लवी  
पाटील ने शब्दसुमनों से स्वागत किया।

उपस्थित सदस्य

- 1) प्रा. डा. पल्लवी भूदेव पाटील - 
- 2) प्रा. डा. जोगेन्द्र सिंह जी बिसेन - Present
- 3) डा. सदानंद भोसले - Present
- 4) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण -
- 5) प्रा. अमोल लांडगे - 



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

१) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण

१) प्रा. चव्हाण सट ने आपने प्रश्नपत्र को लेकर दीर्घ बात रखी तथा काव्यमंजुषा की निर्माण तथा विविध कानखंडों की कविता को परंपरा पर सुझाव दिया।

२) प्रा. श्री. चव्हाण सट ने लीलाघट मंडलाई इसकी अव्यक्त दुःख इस कविता का सुझाव दिया।

३) प्रा. चव्हाण सट ने जायसी के नागमती विरयोग खंड को भी रखने का सुझाव दिया।

४) प्रा. अमील लांडगे

१) प्रा. लांडगे सट ने अनामिका इवाच राचन स्त्रियों कविता का सुझाव दिया।

२) प्रा. लांडगे सट ने नशा कहानी के स्थान पर किसी अन्य नए लेखक की कहानी का सुझाव दिया।



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

- को चुनकर रखने का सुझाव दिया।
- 2) डॉ. बिसेन सर ने डॉ. श्रीराम परियार जी के निबंधों में माँ की लोरी रस का गागर इस लालित निबंध का सुझाव दिया है।
- 3) डॉ. बिसेन सर शिविन्द्रनाथ त्यागी के व्यंग्य को रखने का सुझाव दिया।
- 4) डॉ. सदानंद भोसले
- 1) डॉ. भोसले सर ने पर्यावरण, स्त्री-विमर्श तथा आधुनिक कवियों को अपने आभ्यासक्रम में स्थान देने का सुझाव दिया।
- 2) डॉ. भोसले सर ने हर्दिकुट परसाई, शरद जोशी, शंकुट पुन तांवेकुट को व्यंग्य रचनाओं को अपने पाठ्यक्रम में रखने का सुझाव दिया।
- 3) डॉ. भोसले सर ने जयशंकुट प्रसाद को "बीती विमावरी जागू री" इस कविता को रखने का सुझाव दिया।





Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

1) प्रा. डॉ. पल्लवी पाटील

1) डॉ. पल्लवी पाटील आपने प्रश्नपत्र 'निबंध तरंग' को लुकट दीर्घ तरीके से बात करी। उन्होंने 'हिंदी भाषा की भूमिका' तथा 'कवि और कविता' इन दो निबंधों को रखने का सुझाव दिया।

2) डॉ. पाटील ने प्रेमचंद द्वारा रचित 'साहित्य और जीवन' में स्थान इस विषय को लुकट लिखा गया है उस निबंध को रखने का सुझाव दिया है।

3) डॉ. पाटील ने मोहन राकेश का समय सारथी में 'स्वामी दयानंद' की जीवनी को रखने का सुझाव दिया।

4) डॉ. पाटील ने विष्णु प्रभाकर तथा जहाँ आकाश दिखाई नहीं देता इस रिपोर्ताज को रखने का सुझाव दिया।

2) डॉ. जोगेन्द्र सिंह जी बिसेन

1) डॉ. बिसेन सर ने मैत्रीय पुष्पा जी के बुडिया और बुडिया इस आत्मकथा के अंश

2:10 PM



Suryakant Chavan



Pallavi Patil



Mahadev Gavhane



Sadanand Bhosale



